



नेपाल राजपत्र

श्री ५ को सरकारद्वारा प्रकाशित

(खण्ड ५३) काठमाडौं, कात्तिक १० यते २०६० साल (संख्या २८

भाग ३

श्री ५ को सरकार

वन तथा भू-संरक्षण मन्त्रालयको सूचना

श्री ५ को सरकारले वन नियमावली, २०५१ को नियम ६८ ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी सोही नियमावलीको अनुसूची-२ को सदा देहायको अनुसूची-२ राखी हेरफेर गरेको छ।

“अनुसूची-२

(नियम ६, १०, १८, २५, ४६, ४८ र ५३ सँग सम्बन्धित)

काठ दाउराको मूल्य दर

१) गोलिया काठको

| काठको जात | प्रति दया. फिट मूल्य दर रु. |
|---|-----------------------------|
| १) सतिसाल, सागवान, दार, ओखर | ३००।- |
| २) साल, सखुवा | २५०।- |
| ३) चाँप | २००।- |
| ४) तिसी | १५०।- |
| ५) असना, जामुन, कर्मा | ११०।- |
| ६) सिमल, भुड्कुल, गुटेल, पपलर, मसला, आँप | ८०।- |
| ७) किम्बु, हर्रो, बर्रो, टुनी, टिकुल, शिरीष | १००।- |
| ८) विजयसाल | २००।- |
| ९) सन्दन | १५०।- |

आधिकारिकता मुद्रण विभागबाट प्रमाणित गरिएपछि मात्र लागु हुनेछ।

१८२

| | | |
|-----|---|------|
| १०) | बाँकी, वोटघएरो, पाजन, फल्दु सौर, चिलाउने, गम्हारी | ५०।- |
| ११) | देवदार | ८०।- |
| १२) | खोटेसल्ला, अन्य जातका सल्ला, फर, स्प्रुस | ५०।- |
| १३) | कटुस लाम्पाते, उत्तिस र अन्य जात | ४०।- |
| २) | <u>ठुटा</u> | |

| | <u>जात</u> | <u>प्रति ठुटाको मूल्य दर रु.</u> |
|----|--|----------------------------------|
| १) | साल (सखुवा) | १००।- |
| २) | अन्य जातको ठुटा | ५०।- |
| ३) | <u>छयर (जरासमेत)</u> | प्रति किलोग्राम मूल्य रु. १०।- |
| ४) | <u>दाउरा</u> | |
| | <u>प्रयोजन</u> | |
| १) | दाह संस्कार | प्रति चट्टा रु ५००।- |
| २) | घरकाज | प्रति चट्टा रु. १,०००।- |
| ३) | टि सि.एन. बन पैदावर विकास समिति र जिल्ला बन पैदावर आमुनि समितिले व्यापा- रिक प्रयोजनको लागि बिक्री गर्दा | प्रति चट्टा रु. १,०००।- |
| ४) | उद्योग व्यवसायको लागि जिल्ला बन कार्या- लयबाट बिक्री गर्दा | प्रति चट्टा रु २,०००।- |
| ५) | मसलाको लप्सटप्स | प्रति टन रु. १००।- |

द्रष्टव्यः

- १) नियम ६ को उपनियम (२) को खण्ड (ग) बमोजिम कुनै औजार र
देवी प्रकोप उड्हारको प्रयोजनको लागि दिइने काठ, दाउराको मूल्य
दरमा श्री ५ को सरकारले कम गरी कार्य योजनाले तोकेको परिमा
अधिनमा रही काठ, दाउरा उपचार गराउन सक्नेछ ।
- २) श्री ५ को सरकारले काठको जातसनेनाही विवार गरी आवश्यकता-
नुसार विभिन्न जिल्लाको लागि सोही जिल्लाको प्रचलित बजार
मूल्यलाई आधार मानी नेपाल राजपत्रमा सूचना प्रकाशन गरी उपरोक्त
मूल्य दरमा परिवर्तन गर्न सक्नेछ ।”

आज्ञाले,

चण्डीप्रसाद श्रेष्ठ

(२) श्री ५ को सरकारको सचिव

मुद्रण विभाग, सिंहदरबार, काठमाडौंमा मुद्रित ।